Roll No..... Total No. of Printed Pages : 7

Code No. : B02/409

Second Semester Online Examination, May-June, 2022

M. A. HINDI

Paper IV

[आधुनिक गद्य साहित्य भाग-II]

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : प्रत्येक इकाई में प्रत्येक प्रश्न का भाग *A* एवं *B* 'अति लघु उत्तरीय प्रश्न' हैं, जिनके उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के भाग *C* 'लघु उत्तरीय प्रश्न' व भाग *D* 'दीर्घ उत्तरीय प्रश्न' के उत्तर निर्देशानुसार शब्द सीमा में दिये जाएँ।

इकाई-I

1. (A) 'गोदान' में चित्रित किसान का शोषण करने वाले पात्रों का नामोल्लेख कीजिए। **2**

(B) 'गोदान' की दो समान्तर कथा धारा का उल्लेख कीजिए। **2**

P.T.O.

(C) सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

अपना भाग्य खुद बनाना होगा, अपनी बुद्धि और साहस से इन आफतों पर विजय पाना होगा। कोई देवता, कोई गुप्त शक्ति उनकी मदद करने न आएगी और उसमें गहरी संवेदना सजग हो उठी है। अब उसमें वह पहले जैसी उद्दण्डता और गुरूर नहीं है। वह नम्र और उद्योगशील हो गया है। जिस दशा में पड़े हो उसे स्वार्थ और लोभ के वश होकर और क्यों बिगड़ते हो ? दु:ख ने तुम्हें एक सूत्र में बाँध दिया है। बन्धुत्व के इस दैवी बंधन को क्यों अपने तुच्छ स्वार्थों से तोड़ डालते हो ? उस बंधन को एकता का बंधन बना लो।

(लघु उत्तरीय प्रश्न 4 अंक अथवा व्याख्यात्मक प्रश्न 6 अंक)

अथवा

मैं इतना जानता हूँ कि जिन औजारों से लोहार काम करता है, उन्हीं औजारों से सोनार नहीं करता। क्या आप चाहते हैं कि आप भी उसी दशा में फले-फूलें जिसमें बबूल या ताड़ ? मेरे लिए धन उन सुविधाओं का नाम है जिनमें मैं अपना जीवन सार्थक कर सकूँ। धन मेरे लिए बढ़ने और फलने-फूलने वाली चीज नहीं, केवल साधन है। मुझे धन की बिल्कुल इच्छा नहीं, आप वह साधन जुटा दें जिसमें मैं अपने जीवन का उपयोग कर सकूँ।

(D) गोदान के आधार पर धनिया का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 12 अंक अथवा आलोचनात्मक प्रश्न 10 अंक)

अथवा

"किसान जीवन त्रासदी की कहानी है" कथन का विवेचन कीजिए।

इकाई-II

2. (A) मैला आँचल में डॉ. प्रशान्त मेरीगंज की मुख्य बीमारी क्या बतलाती है ? **2**

(B) ज्योतिषी काका मलेरिया के विरुद्ध क्यों थे ? **2**

(C) सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

"ममता! मैं फिर काम शुरू करूँगा—यहीं इसी गाँव में। मैं प्यार की खेती करना चाहता हूँ। आँसू से भीगी हुई, धरती पर प्यार के पौधे लहलहाएँगे। मैं साधना करूँगा, ग्रामवासिनी भारतमाता के मैले आँचल तले। कम-से-कम एक ही गाँव के कुछ प्राणियों के मुरझाए आठों पर मुस्कराहट लौटा सकूँ, उनके हृदय में आशा विश्वास को प्रतिष्ठित कर सकूँ।"

(लघु उत्तरीय प्रश्न 4 अंक अथवा व्याख्यात्मक प्रश्न 6 अंक)

अथवा

"डॉक्टर सोचता है—विद्यापति की चर्चा होते ही कविवर 'दिनकर' का एक प्रश्न बरबस सामने आकर खड़ा हो जाता था—"विद्यापति कवि के गान कहाँ?" बहुत दिनों बाद मन में उलझे हुए उस प्रश्न का जवाब दिया—जिन्दगी भर बेगारी खटने वाले, अपढ़ गँवार अर्धनग्नों में कवि! तुम्हारे विद्यापति के गान हमारी टूटी झोपड़ियों में जिन्दगी के मधुरस बरसा रहे हैं।—ओ कवि! तुम्हारी कविता ने मचलकर एक दिन कहा था—चलो कवि बनफूलों की ओर!.....बनफूलों की कलियाँ तुम्हारी राह देखती हैं।

(D) 'मैला आँचल' उपन्यास का सारांश अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 12 अंक अथवा आलोचनात्मक प्रश्न 10 अंक)

अथवा

'मैला आँचल' के आधार पर आँचलिक उपन्यास के मूल तत्वों पर प्रकाश डालिए।

इकाई-III

3. (A) ऐतिहासिक एकांकी की मूल विशेषता बताते हुए किसी ऐतिहासिक एकांकी का नाम लिखिए। **2**

(B) बच्चे की मृत्यु को लेकर मम्मी तथा प्रोफेसर साहब के क्या-क्या मत हैं ? **2**

(C) सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

"इन गँवार औरत को यही दण्ड चाहिए। मान न मान मैं तेरा मेहमान। ठीक कहा है लोमड़ी चली सगुन दिखावै आपन सिर कुत्तन से नोचवावे;....खड़ी रोती क्या है ? आओ और प्रीति दिखा आओ न! मम्मी....मम्मी ....मम्मी....बड़ी अच्छी है। ढोलक लेकर और मंगल सोहर गा आओ न!"

(लघु उत्तरीय प्रश्न 4 अंक अथवा व्याख्यात्मक प्रश्न 6 अंक)

अथवा

जी हाँ मास्टर साहब आप लोगों ने तो हम पर फूल बरसा दिए। हम सीधे हैं, तभी तुम्हारी नजरों में हम गंदे और बत्तमीज हैं। जादू टोना डालते हैं हम। लेकिन एक बार फिर से सोच लो मास्टर साहब अपनी जिन्दगी के बारे में, जो तुम जी रहे हो, वह तुम्हारी जिन्दगी नहीं है नकल है, नाटक है दिखावा है।"

(D) एकांकी की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 12 अंक अथवा आलोचनात्मक प्रश्न 10 अंक)

अथवा

एकांकी के तत्वों के आधार पर 'औरंगजेब की आखिरी रात' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

इकाई-IV

4. (A) 'निराला' के संदर्भ में महादेवी की मुख्य चिंता क्या दिखती है ? **2**

(B) सुभद्रा मृत्यु के बाद क्या कल्पना करती है ? **2**

(C) साहित्य जगत् में आज जिस सीमा तक व्यक्तिगत स्पर्द्धा ईर्ष्या-द्वेष है, उस सीमा तक तब नहीं था, यह सत्य है, पर एक दूसरे के साहित्य-चरित्र-स्वभाव संबंधी निंदा-पुराण तो सब युगों में नानी की कथा के समान लोकप्रियता पा लेता है। अपने किसी भी परिचित-अपरिचित साहित्य साथी की त्रुटियों के प्रति सहिष्णु रहना और उसके गुणों के मूल्यांकन में उदारता से काम लेना सुभद्रा जी की निजी विशेषता थी। अपने को बड़ा बनाने के लिए दूसरों को छोटा प्रमाणित करने की दुर्बलता उनमें असंभव थी।

(लघु उत्तरीय प्रश्न 4 अंक अथवा व्याख्यात्मक प्रश्न 6 अंक)

अथवा

मेरी उमड़ती हँसी को व्यथा के बाँध ने जहाँ का तहाँ ठहरा दिया। इस निर्गम युग ने इस महान कलाकार के पास ऐसा क्या छोड़ा है। जिसे स्वयं छोड़कर यह त्याग का आत्मतोष भी प्राप्त कर सके। जिस प्रकार प्राप्ति हमारी कृतज्ञता का फल है उसी प्रकार त्याग हमारी पूर्णता का परिणाम है। इन दोनों छोटों में से एक मनुष्य के भौतिक विकास की माप है और दूसरी मानसिक विस्तार की माप।

(D) "सुभद्रा जी का समूचा व्यक्तित्व महादेवी की लेखनी में उभर आया है", इस कथन का विवेचन कीजिए।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 12 अंक अथवा आलोचनात्मक प्रश्न 10 अंक)

अथवा

कथ्य एवं शिल्प के आधार पर 'निराला भाई' पाठ का मूल्यांकन कीजिए।

❐ ❐ ❐ ❐ ❐ d ❐ ❐ ❐ ❐ ❐